क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 227, बुधवार, 12 सितम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

'दिल्ली सरकार नाले के निकट रह रहे लोगों के पुनर्वास की संभावना तलाशे'

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया है कि वह राजधानी दिल्ली की एक कॉलोनी में नाले के निकट रह रहे अनाधिकृत निवासियों के पुनर्वास की संभावनाएं तलाशे। जस्टिस रघुवेंद्र एस. राठौर की अध्यक्षता वाली बैंच ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह दक्षिण दिल्ली में पर्यावरण कॉम्प्लेक्स में सीवेज सुविधाओं की कमी का आरोप लगाने वाली याचिका के बारे में उसे जानकारी दे। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने दावा किया था कि नाले के निकट बने अस्थायी ढांचों के कारण कॉलोनी में सीवेज सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं, जिसके बाद हरित पैनल ने अनाधिकृत निवासियों के पुनर्वास का निर्देश जारी किया।

नोएडा: सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, तीसरे की हालत गंभीर

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सिटी सेंटर के पास सोमवार देर रात एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक पंकज पंत ने बताया कि सोमवार को आधी रात के बाद मिंटू और उसका दोस्त फुलवा तथा संतोष कुमार एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर होशियारपुर गांव से सिटी सेंटर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। थाना प्रभारी ने बताया कि इस घटना में मिंटू व फुलवा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कॉलेज के बाहर फायरिंग में हिन्दू युवा वाहिनी के महामंत्री समेत 6 दबोचे

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर के एक कॉलेज के बाहर सोमवार को छात्रों के दो गुटों में हुई फायरिंग में पुलिस ने हिन्दू युवा वाहिनी के महामंत्री समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में तीन नाबालिग बताए जा रहे हैं। मोदीनगर के एक कॉलेज के बाहर सोमवार को छात्रों के दो गुटों में फायरिंग हो गई थी। फायरिंग के दौरान कॉलेज के बाहर लगी सीसीटीवी कैमरे में आरोपियों की तस्वीर कैद हो गई थी। पुलिस ने इस मामले की छानबीन के दौरान वीडियो फुटेज के आधार पर हिन्दू युवा वाहिनी के महामंत्री अमित त्यागी समेत 6 लोगों को सोमवार देर रात पकड़ा था। आरोपियों के पास से 10 अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि छात्रों गुटों के वर्चस्व को लेकर ये फायरिंग हुई थी। बरामद अवैध हथियारों की जांच की जा रही है।

जानें क्या हुआ था कल ?

मोदीनगर-हापुड़ मार्ग पर मोदीपोन कॉलोनी रोड पर सोमवार दोपहर टशनबाजी को लेकर कक्षा दस और ग्यारह के छात्रों के दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष हुआ। दोनों पक्षों की ओर से जमकर सरिया और धारदार हथियार से वार किए गए। इतना ही नहीं दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग भी की गई। बताया जा रहा है कि मोदीनगर और मुरादनगर के छात्रों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। पुलिस ने छह छात्रों को हिरासत में लिया है। हापुड़ मोदीनगर मार्ग पर रेलवे फाटक से आगे एक निजी स्कूल के छात्रों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि मोदीनगर और मुरादनगर के छात्रों के बीच टशनबाजी को लेकर 10 दिन के अंदर कई बार स्कूल परिसर और स्कूल से बाहर संघर्ष हो चुका है। तीन दिन पहले इसी बात को लेकर फिर से विवाद हो गया, जिसमें मोदीनगर के छात्रों ने मुरादनगर के छात्रों की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि सोमवार 2:15 बजे जैसे ही स्कूल की छुट्टी हुई, दोनों पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच सरिया और धारदार हथियार चले। झगड़ते हुए छात्र मोदीपोन कॉलोनी मार्ग की ओर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों पक्षों ने तमंचे से कई राउंड फायरिंग भी की। फायरिंग होते ही कॉलोनी में भगदड़ मच गई। इसके बाद छात्र वहां से फरार हो गए। दोनों पक्ष नेशनल हाईवे पर गांव सीकरी कलां के पास भिड़ गए और फायरिंग की।

मृतक शंकर भलावी

पांढुर्ना में गोटमार मेला

पत्थरबाजी में एक की मौत, 300 से अधिक घायल

छिंदवाड़ा/पांढुर्ना, जिले के पांढुर्णा तहसील मुख्यालय के प्रसिद्ध गोटमार मेले में शामिल एक युवक की सोमवार को पेट में पत्थर लगने से मौत हो गई। गोटमार मेले के दौरान वर्ष 2011 के बाद यह पहली मौत है। पांढुर्णा के निवासी बाबूराव कंलबे और मनोज रेवतकर पत्थरों से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें उपचार के लिए नागपुर रेफर किया गया है। आपसी पत्थरबाजी में पांढुर्णा व सांवरगांव पक्ष के लगभग 300 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनका उपचार चिकित्सा शिविरों में किया जा रहा है। सोमवार सुबह जाम नदी के बीचों बीच पलाश के पेड़ की पूजा अर्चना करके झंडा स्थापित किया गया। जिसके बाद शुरुआती दौर में बच्चों ने पत्थरबाजी शुरू की । दोपहर 12 बजे के बाद गोटमार के यह खेले रूद्र रूप में आ गया। भीषण गोटमार के बीच ग्राम भुजारी निवासी शंकर भलावी उम्र 25 साल की पत्थरबाजी के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौत हो गई। भारत बंद होने के कारण जिले के आला अधिकारी पांढुर्ना देरी से पहंचें । 800 पुलिस कर्मियों का बल पांढुर्ना व सावरगांव के चप्पे चप्पे में तैनात रहा। घायलों के उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग के लगभग 100 से अधिक कर्मचारी उपचार में जुटे रहे। गोटमार मेले में इसके पहले 2011 तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है।

मेले का इतिहास वर्षों पुराना

पांढुर्णा गोटमार मेले का इतिहास वर्षों पुराना है। मान्यता है कि पांढुर्णा के युवक का पड़ोसी गांव सांवरगांव की युवती से प्रेम था। युवती को उसके गांव से भगाकर लाने के दौरान पांढुर्णा के पास बहने वाली जाम नदी को पार करते समय दोनों ओर के ग्रामीणों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की थी। उसी की याद में पांढुर्णा व सांवरगांव के लोग एक-दूसरे पर पत्थरबाजी करते हैं। गोटमार मेला हर साल पोला के दूसरे दिन अर्थात सोमवार को शुरू होता है। नदी के बीचोबीच झंडा लगाया जाता है। इस झंडे को पांढुर्णा का पक्ष जब तक तोड़ नहीं लेता, तब तक पत्थरबाजी चलती रहती है। सूर्यास्त के समय तक झंडा न टूटने पर पुलिस समझौता करवाकर मेले का समापन करवाती है।गोटमार मेले में हर साल सैकड़ों लोग घायल होते हैं, लेकिन आस्था के नाम पर यह परंपरा आज तक जारी है।

नाबालिग बच्ची के यौन उत्पीड़न की जांच क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक स्कूल में साढ़े तीन साल की बच्ची के कथित यौन उत्पीड़न की पिछले सप्ताह की घटना की जांच अब दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच करेगी। लड़की के माता-पिता ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन करके स्कूल और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

ड्यूटी के दौरान सब इंस्पेक्टर ने की महिला पुलिसकर्मी से छेड़छाड़

कथित घटना पिछले सप्ताह मंगलवार को उत्तर पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर में हुई थी और जिला पुलिस ने पॉक्सो कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बेहद संवेदनशील मामला होने के चलते यह केस अब क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) असलम खान ने कहा था कि हम सभी एंगल से इस मामले की जांच कर रहे हैं। हम स्कूल अधिकारी या किसी परिजन या पड़ोसी की भूमिका से इनकार नहीं कर रहे हैं। पुलिस ने दावा किया था कि लड़की को अनुचित तरीके से ''छुआ'' गया था।

दिल्ली : ड्यूटी के दौरान सब इंस्पेक्टर ने की महिला पुलिसकर्मी से छेड़छाड़

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार में एक सब इंस्पेक्टर द्वारा गुरुवार रात ड्यूटी के दौरान महिला पुलिसकर्मी से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, पूर्वी दिल्ली में तैनात महिला पुलिसकर्मी गुरुवार रात ड्यूटी पर थी। उसके साथ एक सब इंस्पेक्टर भी था। रात करीब 2:30 बजे कंधे में दर्द होने पर पीड़िता बगल के कमरे में जाकर आराम करने लगी, तभी पीड़िता के मना करने के बावजूद सब इंस्पेक्टर जबरन कमरे में घुस गया।

इसके बाद वह उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। इस पर पीड़िता कमरे से भागकर बाहर आ गई और शुक्रवार को मामले की शिकायत मधु विहार थाने में की। पुलिस ने पीड़िता की मेडिकल जांच कराने के बाद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रेप में कांस्टेबल को पकड़ा

दिल्ली की युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी कश्मीर पुलिस के कांस्टेबल आदिल हसन खान को दिल्ली पुलिस ने रविवार को कश्मीर से गिरफ्तार कर लिया। वसंतकुंज नॉर्थ थाना पुलिस आरोपी को दिल्ली लाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त देवेन्द्र आर्या के अनुसार एक एप के जरिए कश्मीर पुलिस के कांस्टेबल ने दिल्ली की युवती से दोस्ती की थी। आरोपी कांस्टेबल ने शादी का झांसा देकर युवती से दिल्ली में शरीरिक संबंध बनाए। वहीं, करीब 14 लाख रुपये भी ठग लिए थे।

प्रचार के अंतिम दिन छात्र संगठनों ने झोंकी ताकत, मतदान कल

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए बुधवार 12 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। सोमवार को प्रचार का अंतिम दिन होने के कारण सभी छात्र संगठनों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। छात्र संघ चुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर रहे उम्मीदवारों ने छात्र छात्राओं से मिलने का कोई मौका नहीं छोड़ा। सभी संगठनों के छात्रों से मिलने की अपनी नीति बनाई थी। संगठनों ने न केवल इसके लिए कॉलेजों का चुनाव किया, बल्कि नॉर्थ व साउथ कैंपस में भी रैली, साइकिल यात्रा और पदयात्रा निकाली। समर्थकों के हुजूम और गाड़ियों के काफिले के अलावा कक्षाओं में जाकर भी छात्र नेताओं ने अपनी बात रखी। दिन भर नार्थ व साउथ कैंपस में गहमा गहमी रही।

पांच छात्रों के खिलाफ मुकदमा :

डीयू चुनाव आयोग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। पोस्टर चिपकाने व अन्य मामलों में दिल्ली पुलिस ने पांच छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विगत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष डीयू कैंपस में पोस्टरबाजी और पर्चों का दुरुपयोग कम हुआ है। हालांकि सोमवार को भी विभिन्न छात्र संगठनों के समर्थक पर्चे उड़ाते आर्ट फैकल्टी के बाहर देखे गए। डीयू प्रशासन की प्राक्टोरियल टीम कैंपस में दौरा कर रही है। चुनाव को देखते हुए छात्रा मार्ग पर एहतियातन पुलिस की सक्रियता बढ़ाई गई है।

जाकिर हुसैन कॉलेज में मारपीट

डीयू के जाकिर हुसैन कॉलेज सांध्य में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन एबीवीपी के उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी शक्ति सिंह के समर्थन में पहुंचे छात्रों पर कॉलेज के छात्रों से मारपीट का आरोप है। कॉलेज के एक छात्र अनूप ने बताया कि शक्ति सिंह के समर्थक कॉलेज में गेट का ताला तोड़कर हाथ में लाठी डंडा लेकर कैंपस में घुस गए और जो छात्र सामने आया उसे पीटने लगे। यह क्रम काफी देर तक चला। विरोध के बाद एबीवीपी के समर्थक बाहर आये, लेकिन वहां भी छात्रों से हाथापाई की। जब कॉलेज के छात्रों ने अपना विरोध जताया तो शक्ति सिंह के समर्थक वहां से गाड़ियों में भर कर चले गए। अनूप ने बताया कि छात्रों के जाने के बाद कॉलेज के छात्र आरोपियों पर मामला दर्ज करने की मांग को लेकर कॉलेज गेट के बाहर धरना पर बैठ गए। धरना पर बैठे छात्रों का आरोप है कि मौके पर पहुंची पुलिस ने भी उदासीनता दिखाई और कोई एक्शन नहीं लिया। उधर, इस बारे में शक्ति सिंह से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

महिला अधिकार रैली निकाली

एबीवीपी ने डीयू में छात्राओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सोमवार को रैली निकाली। एबीवीपी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा, कैंपस में सक्रिय सहभागिता आदि विषयों को उठाया। नॉर्थ कैंपस में आर्ट्स फैकल्टी से शुरू हुई रैली विधि संकाय के सभी केंद्रों तथा विभिन्न विभागों से होते हुए केन्द्रीय पुस्तकालय पर सम्पन्न हुई। एबीवीपी की राष्ट्रीय मीडिया संयोजक मोनिका चौधरी ने कहा कि छात्राओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर हम लगातार गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। इस तरह की रैली से हम समानता, सहभागिता का संदेश दे रहे।

हमारी विचारधारा पर छात्र देंगे वोट : एनएसयूआई

दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले कई वर्षों से एबीवीपी और एनएसयूआई में आमना सामना रहा है। इनकी विचारधाराओं को मानने वाले छात्र इनको वोट देते हैं। यही कारण एनएसयूआई एक बार फिर से अपनी विचारधारा वाले छात्रों से मिलकर उनको न केवल कैंपस के मुद्दों के समाधान का आश्वासन दे रही है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को भी उठा रही है।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा का कहना है कि हमारी विचारधारा से छात्र प्रभावित हैं और वह कैंपस में विकास के नाम पर वोट देते हैं। चाहे लाइब्रेरी का मुद्दा हो या महिला सुरक्षा का, हर मुद्दे को लेकर कॉलेजों में गए हैं। हमें छात्रों का समर्थन मिला है।

बदलाव चाहने वालों पर नजर : आईसा-सीवाईएसएस

पहली बार सीवाईएसएस और आईसा गठबंधन डूसू चुनाव में उतरे हैं। उन्होंने नॉर्थ कैंपस को कम तथा साउथ कैंपस के कॉलेजों को अधिक महत्व दिया।

सोमवार को नार्थ कैंपस में सीवाईएसएस ने साइकिल रैली की, वहीं आईसा ने समर्थकों के साथ आर्ट फैकल्टी में संपर्क अभियान चलाया। आईसा की डीयू अध्यक्ष कंवलप्रीत कौर ने बताया कि हम कैंपस में धन बल बाहुबल के खिलाफ हैं। यही कारण है कि हम आम छात्रों से जुड़ रहे हैं।

52 यात्रियों की मौत

तेलंगाना में दर्दनाक हादसा: बस खाई में गिरी

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना के जगतियाल जिले में सड़क परिवहन निगम की एक यात्री बस सड़क से फिसलकर घाटी में गिर जाने के कारण 52 यात्रियों की मौत हो गई है। इसके अलावा हादसे में कई यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि हैदराबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर शनिवारपेट गांव के नजदीक घाट रोड पर सुबह साढ़े ग्यारह बजे के करीब बस फिसल कर घाटी में गिर गयी। बस कोंडागट्टू से जगतियाल जा रही थी। तेलंगाना के कार्यवाहक मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सभी मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। प्रारंभिक जांच के अनुसार बस में सिर्फ 54 लोगों के सवार होने की क्षमता थी, लेकिन उसमें 60 से 65 लोग यात्रा कर रहे थे। जगतियाल की जिला पुलिस अधीक्षक सिंधु शर्मा ने कहा कि घायलों को जगतियाल और पड़ोसी करीमनगर जिले के अस्पतालों

में ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि इस बात का संदेह है कि चालक ने एक स्पीड ब्रेकर के निकट वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। हालांकि, घटना के ठीक-ठीक कारणों का पता लगाने के लिये जांच की जा रही है।

अधिकारी ने बताया कि 31 शवों की पहचान की जा चुकी है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, ''पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवारों को सौंप दिये जाएंगे। टीएसआरटीसी के एक अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिये जांच की जा रही है। मृतकों में बस चालक श्रीनिवास (51) भी शामिल है। दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुये तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दिये जाने की मांग की।

पत्नी की हत्या करने के बाद कटा सिर लेकर 20 किमी दूर थाने पहुंचा शख्स

नई दिल्ली। कर्नाटक के चिकमंगलुरू में एक महिला की हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। इस वीभत्स घटना का अंजाम देने वाला महिला का पति था। आरोपी शख्स ने पहले पत्नी का सिर काटा और फिर कटे हुए सिर को थैले में डालकर 20 किलोमीटर तक पैदल गया और थाने जाकर अपने करतूत की पुलिस को जानकारी दी। पुलिसवालों ने जब आरोपी के हाथ में थैला और उसमें खून से महिला का सिर देखा तो वह सन्न रह गए। सतीष ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद सरेंडर करने आया है। उसने पुलिस को बताया कि उसने दोनों के बीच झगड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया था कि उसने उसकी हत्या करने का फैसला किया। झगड़े की वजह थी पत्नी दूसरे आदमी से अवैध संबध। आरोपी ने बताया कि पत्नी के अवैध संबंध के बारे में जब उसे जानकारी मिली तो उसने काफी गुस्सा किया और उसे माफ कर दिया। लेकिन इस उसे एक दूसरे मजूदूर के साथ रंगेहाथों पकड़ लिया। सतीष ने पत्नी के साथ मिले शख्स पर भी तेज धारदार हथियार से हमला किया लेकिन वह मौके से भागने में कामयाब हो गया। हालांकि वह भी घायल हो गया है। इसके बाद फिर वह अपनी पत्नी पर गड़ासे जैसे किसी धारदार हथियार से हमला किया और उसका सिर काट डाला। आरोपी शख्स जिस बर्बरता के साथ अपनी पत्नी का सिर लिए घूम रहा था उसका थाने के सिपाहियों ने वीडियो बना लिया और फिर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

9 साल पहले हुई थी शादी-

आरोपी सतीष ने पुलिस को बताया कि 9 साल पहले रूपा के साथ उसकी शादी हुई थी। दोनों से दो बच्चे भी हैं। लेकिन इधर कुछ समय से रूपा का किसी और से चक्कर चलने लगा था। उसे एक बार इस बारे में पता चला तो उसनी पत्नी को धमकाया और माफ कर दिया था। लेकिन वह चोरी-छिपे दूसरे शख्स से मिलना जारी रखा। रविवार की शाम को जब वह बंगलूर से लौटा तो रूपा को उसके प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि सतीष को अपनी पत्नी की हत्या करने का कोई अफ्सोस या दुख नहीं है। बस उसे अफ्सोस एक ही बात का है वह रूपा के प्रेमी को जान से नहीं मार सका। पुलिस ने सनकी सतीष के खिलाफ हत्या समेत कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

हाईकोर्ट ने भी किया वंजारा व 4 अन्य को बरी

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने संदिग्ध माफिया सोहराबुद्दीन शेख, उसकी पत्नी और सहयोगी के कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में गुजरात के पूर्व एटीएस प्रमुख डीजी वंजारा और चार अन्य पुलिस अधिकारियों को आरोपमुक्त करने का निचली अदालत का फैसला सोमवार को बरकरार रखा। गुजरात और राजस्थान से थे। आरोप मुक्त करने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली सोहराबुद्दीन शेख के भाई रुबाबुद्दीन और सीबीआई की पांच पुनरीक्षण याचिकाओं को इस मामले में अब तक आरोप मुक्त हुए अधिकारियों में वंजारा के अलावा गुजरात पुलिस से राजकुमार पांडियन, एनके अमीन एवं अग्रवाल तथा राजस्थान पुलिस से दिनेश, एम एन एवं दलपत सिंह राठौड़ शामिल हैं।

संपादकीय

विचारों का प्रचार-प्रसार

आज सोशल मीडिया लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। राजनीतिक पार्टियां इसके प्रमुख प्लेटफॉर्म्स ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम आदि के जरिए अपने विचारों का प्रचार-प्रसार कर रही हैं, अपने विरोधियों के विरुद्ध वैचारिक हमले करती हैं। दो हजार चौदह के लोक सभा चुनावों के दौरान लगभग सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने इस मंच का बखूबी इस्तेमाल किया था। लेकिन लोगों ने अपने दांतों तले उंगलियां दबा लीं, जब झारखंड में व्हाट्सएप के जरिए मुकदमा चलाने का एक अनोखा मामला सामने आया। यह मामला हजारीबाग की एक अदालत का है, जहां न्यायाधीश ने व्हाट्सएप कॉल के जरिए आरोप तय करने का आदेश देकर आरोपियों को मुकदमे का सामना करने को कहा। देश की शीर्ष अदालत भी विस्मित रह गई जब उसके सामने यह मामला आया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एसए बोबड़े और न्यायमूर्ति एलएन राव की पीठ ने अचरज जताते हुए कहा कि भारत की किसी अदालत में इस तरह के मजाक की कैसे अनुमति दी गई। जाहिर है कि यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देशों में न्यायिक प्रक्रिया को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाए रखने का प्रावधान किया गया है। प्राचीन और मध्यकाल में भी न्यायप्रिय शासक ज्यादा लोकप्रिय हुए हैं। यह बताता है कि हर दौर में नागरिक के जीवन में न्याय का कितना महत्त्व रहा है। जाहिर है कि व्हाट्सएप के जरिए यदि मुकदमा चलाए जाने का प्रचलन शुरू हो गया तो इससे हमारी न्याय व्यवस्था की गंभीरता पूरी तरह से प्रभावित हो जाएगी। सोशल मीडिया सूचना, मनोरंजन और शिक्षा के क्षेत्र में कारगर माध्यम हो सकता है, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हो सकता। आज कोई दावे के साथनहीं कह सकता कि निचली अदालतें भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त हैं। ऐसे में व्हाट्सएप के जरिए मुकदमा चलाया जाना कोढ़ में खाज की तरह होगा। यह मामला झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव और उनकी पत्नी निर्मला देवी से संबंधित है। ये दोनों दो हजार सोलह के दंगा मामले में आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हजारीबाग की निचली अदालत की इस प्रक्रिया पर रोक लगाकर न्याय प्रशासन को होने वाली बदनामी से बचा लिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस मामले में शीर्ष अदालत के कड़े रुख के बाद निचली अदालतें भविष्य में न्यायिक प्रक्रिया के साथ इस तरह का अगंभीर रवैया अपनाने से बाज आएंगी।

न्यायपूर्ण मुआवजा

राजधानी दिल्ली के मोती नगर इलाके में सीवर में मरम्मत करने अंदर गए चार मजदूरों के प्राण पखेडू उड़ गए और एक जीवन-मौत के बीच झूल रहा है। बताने की आवश्यकता नहीं कि उनकी मौत अंदर की जहरीली गैस से हुई। यह समझ से परे है कि बार-बार ऐसी हृदयविदारक त्रासदी के सामने आने के बावजूद सीवर में प्रवेश करने वालों को उनकी नियति पर छोड़ दिया जाता है यानी उनके लिए सुरक्षा कवच की व्यवस्था नहीं होती। अभी पता नहीं चला है कि क्या संबंधित नगर निगम की ओर से यह सफाई कराई जा रही थी, या स्थानीय लोगों द्वारा? अगर निगम की ओर से कराई जा रही थी, तो यह अक्षम्य अपराध है। संबंधित अधिकारियों और उनके मातहत कर्मचारियों पर हत्या का अभियोग चलना चाहिए। अगर स्थानीय स्तर पर निजी लोग करा रहे थे तो यह सीख है कि आगे से कोई ऐसा न करे और आपस में चंदा कर उन मजदूरों के परिजनों तक राहत राशि पहुंचाई जाए। उनकी गलती यह हो सकती है कि उन्होंने अपने वार्ड सदस्य या निगम को शायद सूचित नहीं किया या यह भी हो सकता है कि सूचना के बावजूद वे नहीं आए हों। कारण जो हो परिणाम तो वही है। हर कुछ अंतराल पर ऐसी दर्दनाक घटनाएं होती हैं, उस पर कुछ दिनों तक चर्चा भी होती है, लेकिन फिर वही स्थिति। न्यायालय का स्पष्ट आदेश है कि बिना सुरक्षा वस्त्र दिए किसी को सीवर के अंदर नहीं उतारा जा सकता। दिल्ली में लगातार ऐसी त्रासदी सामने आने के बावजूद स्थिति में बदलाव नहीं हो रहा है तो छोटे और सामान्य शहरों में क्या होता होगा, इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। यह राजनीतिक हंगामे का विषय नहीं बनता। मीडिया भी खबर छापकर कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेता है। उनके परिवार को न्यायपूर्ण मुआवजा तक नहीं मिलता। कई बार तो मजदूर के गांव आदि के बारे में ठीक से पता नहीं चलता। जो मुआवजा घोषित होता है वह उनके परिजनों तक पहुंचता ही नहीं। जरा कल्पना करिए कि एक गरीब परिवार जिसका जीवन यापन उस मजदूर पर निर्भर है, उसकी क्या दशा होती होगी! क्या हमें यह स्थिति धिक्कारती नहीं?

समलैंगिक यौन संबंध को अपराध

लोग समलैंगिकता को भारतीय संस्कृति के विरूद्ध या अप्राकृतिक बता रहे हैं, वे वास्तव में भारतीय समाज में प्रचलित घिसी-पिटी धारणाओं के शिकार हैं। जिस समाज में सेक्स के बारे में बात करना भी गुनाह समझा जाता हो, वहां समलैंगिक संबंधों की वकालत करना किसी अपराध से कम नहीं। वास्तव में यह कहना ढोंग है कि समलैंगिक संबंध भारतीय संस्कृति के विरूद्ध है। सच तो यह है कि न केवल भारत बल्कि दुनिया के हर समाज में समलैंगिकता का प्रचलन रहा है। भारतीय समाज में भी समलैंगिकता गहरे पैठी हुई है। सच तो यह है कि भारतीय समाज में हमारा पहला यौन-संबंधी अनुभव समलैंगिक लोगों से ही प्राप्त होता है। कभी जाने में तो कभी अनजाने में और कभी-कभी उत्सुकता वश।

सतीश पेडणोकर

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सहमति से दो वयस्कों के बीच कायम होने वाले समलैंगिक यौन संबंध को अपराध के दायरे से बाहर क्या कर दिया कि लगता है जैसे देश में भूकंप आ गया हो। समाचार पत्रों और टीवी चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक में अदालत के इस निर्णय की आलोचना हो रही है। कुछ लोगों की नजर में यह निर्णय भारतीय संस्कृति के खिलाफ तो है ही, अप्राकृतिक भी है। कई विद्वान इसे अवैज्ञानिक भी बता रहे हैं। जो लोग इस फैसले को उचित बता रहे हैं, उनकी भाषा डरी-सहमी है। तो क्या सच में कोर्ट का फैसला भारतीय संस्कृति के खिलाफ और अप्राकृतिक यौन संबंधों को बढ़ावा देने वाला है? सवाल का जवाब देने के पहले देखना-जानना जरूरी है कि सुप्रीम कोर्ट ने किस आधार पर धारा 377 को अपराध की श्रेणी से मुक्त किया है।

शीर्ष अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 को बचाव नहीं करने वाला और मनमाना करार दिया है। उसका मानना है कि इस धारा से समानता के सिद्धांत का उल्लंघन होता है। स्पष्ट कहा कि धारा 377 एलजीबीटी के सदस्यों को परेशान करने का हथियार था। इसके कारण भेदभाव होता है। इस फैसले में गरिमा के साथ जीने के अधिकार को मौलिक अधिकार के तौर पर मान्यता दी गई है, क्योंकि धारा 377 के कारण एलजीबीटी सदस्य छुप कर और दोयम दरजे के नागरिक के रूप में रहने को विवश थे। जो लोग समलैंगिकता को भारतीय संस्कृति के विरूद्ध या अप्राकृतिक बता रहे हैं, वे वास्तव में भारतीय समाज में प्रचलित घिसी-पिटी धारणाओं के शिकार हैं। जिस समाज में सेक्स के बारे में बात करना भी गुनाह समझा जाता हो, वहां समलैंगिक संबंधों की वकालत करना किसी अपराध से कम नहीं। वास्तव में यह कहना ढोंग है कि समलैंगिक संबंध भारतीय संस्कृति के विरूद्ध है। सच तो यह है कि न केवल भारत बल्कि दुनिया के हर समाज में समलैंगिकता का प्रचलन रहा है। भारतीय समाज में भी समलैंगिकता गहरे पैठी हुई है। सच तो यह है कि भारतीय समाज में हमारा पहला यौन-संबंधी अनुभव समलैंगिक लोगों से ही प्राप्त होता है।

कभी जाने में तो कभी अनजाने में और कभी-कभी उत्सुकता वश। समाज में लड़के-लड़कियों के बीच सहज संवाद को भी असहज ढंग से देखा जाता है। ऐसे में सबसे पहले समलिंगी अनुभव ही हमारे पल्ले में आता है। हम अपने गांव-घरों में जानते रहते हैं कि अमुक व्यक्ति समलैंगिक यौन संबंध रखता है, लेकिन उसे लेकर हम कभी व्यग्र नहीं होते और ना कभी कोई परेशानी होती है। हम अपने अनुभव से जानते हैं कि समलैंगिक रु झान वाला व्यक्ति भी उतना ही सहज होता है, जितना अन्य। इसलिए यह कहना कि समलैंगिकता भारतीय संस्कृति के खिलाफहै, वास्तव में एक ढोंग है। हमारे प्राचीन धर्मग्रंथों में भी समलैंगिक संबंधों की झलक मिलती है। वेद, पुराण से लेकर रामायण और महाभारत तक में समलैंगिकता को उजागर करने वाली अनेक कहानियां मिलती हैं। समलैंगिक संबंधों को अप्राकृतिक बताने वाले शायद नहीं जानते कि समलैंगिकता कोई विकृति नहीं, बल्कि प्रकृति ही है। वेद कहता है कि विकृति भी प्राकृतिक ही है, क्योंकि वह भी प्रकृति में ही शामिल है। खजुराहो और कोणार्क मंदिर की दीवारों पर समलैंगिक यौन मुद्राओं वाली मूर्तियां प्रमाण हैं कि भारतीय संस्कृति में समलैंगिकता कभी वर्जित नहीं रही। अगर वर्जित होती तो इसके खिलाफ दंड का प्रावधान भी जरूर होता लेकिन हमारे किसी भी धर्मग्रंथ में इसके खिलाफ दंड का विधान नहीं है। कौटिल्य का अर्थशास्त्र भी इसे केवल विकार मानता है, और समलैंगिक संबंध रखने वालों के लिए निम्नतम सजा का विधान रखता है, जिसमें गंगा नदी में स्नान करने से लेकर दान करने की बात कही गई है। अनेक कहानियां हैं, जिनमें परोक्ष रूप से समलैंगिक संबंधों का विवरण है। समलैंगिकता को हमारे देश में कभी अपराध नहीं माना गया। इसे आपराधिक कृत्य तो अंग्रेजों ने बनाया। दरअसल, समलैंगिकता को अपराध बताने का प्रचलन अब्राहमवादी नैतिकता से नि:सृत है, जिसे ईसाई धर्म ने परवान चढ़ाया। कोई यह न समझे कि अब्राहमवादी धर्मो यानी यहूदी, इस्लाम और ईसाई धर्म मानने वालों में समलैंगिकता का प्रचलन नहीं है। इस्त्रयल यहूदियों का देश है, लेकिन वहां समलैंगिकों को वे सारे अधिकार प्राप्त हैं, जो अन्य लोगों को प्राप्त हैं।

तेल अवीव को तो दुनिया की गे कैपिटल कहा जाता है। इसी तरह इंग्लैंड, अमेरिका और स्कैंडिनेवियन देशों स्वीडन, फिनलैंड, नार्वे आदि में भी समलैंगिकों के अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं। हमने विक्टोरियाई नैतिकता को ही अपनी नैतिकता समझ लिया और समलैंगिकता को अपराध मानने की मानसिकता गढ़ ली।अधिकांश वैज्ञानिक मानते हैं कि मनुष्य की यौन अभिरुचि वातावरण, मान्यताओं और जैविक तत्वों के जटिल अंतरक्रिया की परिणाम होती है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण जैविक कारण होते हैं। किसी व्यक्ति के यौन रु झान का निर्धारण जीन से होता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समलैंगिक रु झान के लिए माता-पिता के हार्मोन्स, क्रोमोजोम्स, बहुजैविक प्रभावों, मस्तिष्क की संरचना आदि जिम्मेदार होते हैं। वैज्ञानिकों की नजर में समलैंगिक यौन आकर्षण, व्यवहार और अभिरुचि कोई विकृति नहीं, बल्कि सहज अभिरु चि है। इतना ही नहीं, वैज्ञानिक यह भी बताते हैं कि समलैंगिक संबंध रखने वाले संतुष्टिपूर्ण जीवन जी सकते हैं। अपने संबंधों के प्रति उतने ही ईमानदार हो सकते हैं, जितने अन्य आम लोग। वैज्ञानिक कहते हैं कि समलैंगिक संबंध कोई वैकल्पिक यौन संबंध का मामला नहीं है, बल्कि जेनेटिक है, जिसे किसी उपाय या परामर्श के जरिए बदला नहीं जा सकता। यदि मान लें कि समलैंगिकता का मूल कारण जेनेटिक है, तो हम नैतिकता के पचड़े में पड़ने से तो बच ही सकते हैं, साथ ही इसके लिए समलैंगिकों को दाषी ठहराने की प्रवृत्ति पर भी लगाम लगायी जा सकती है। आधुनिक शोधों से स्थापित हो चुका है कि हमारी यौन अभिरु चि की उत्पत्ति जैविक है यानी समलैंगिकता भी उतनी ही प्राकृतिक है, जितनी विपरीतलिंगी यौनिकता।

जैविक रूप से जन्मे पुरुष को किसी अन्य पुरुष के प्रति आकर्षित नहीं किया जा सकता। इसके लिए उसकी जैविक संरचना ही अलग होनी चाहिए। कहने की अर्थ यह कि समलैंगिक यौन संबंध के प्रति हमारा दृष्टिकोण स्टीरियोटाइप यानी घिसी-पिटी धारणा पर आधारित है, जिसका न तो कोई वैज्ञानिक आधार है, और न ही सांस्कृतिक। जरूरत है मानसिकता और समझ बदलने की।

चलते चलते

जनसंख्या नियंतण्र

भारत में भी होने लगें तो जनसंख्या नियंतण्र के लक्ष्य बहुत गति से पूरे होंगे और कई सामाजिक बखेड़े भी निपटेंगे। भारत में लड़के वाले फोकटी में भाव खाते हैं। लड़के की मां को ऐसे नमस्कार करो,

बकग्राउंड में गीत बज रहा था-बस यही अपराध मैं हर बार करता हूं, आदमी हूं, आदमी से प्यार करता हूं। 1970 में आई पहचान फिल्म के इस गीत को धारा 377 पर नये फैसले ने लगभग अप्रासंगिक कर दिया है। आदमी आदमी से प्यार करे, औरत औरत से प्यार करे, मतलब कैसा वाला भी। तमाम देशों में सेम सेक्स शादियां चलन में हैं। भारत में भी होने लगें तो जनसंख्या नियंतण्र के लक्ष्य बहुत गति से पूरे होंगे और कई सामाजिक बखेड़े भी निपटेंगे। भारत में लड़के वाले फोकटी में भाव खाते हैं। लड़के की मां को ऐसे नमस्कार करो, लड़के की बहन के ऐसे पैर छुए। लड़के के रतलाम वाले फूफा जी इसलिए रूठ गए कि लड़की उनके पैर छूते वक्त उतना नहीं झुकी, जितना झांसी वाले फूफा जी के पैर छूते वक्त झुकी थी। मध्य प्रदेश का यूपी के सामने इतना अपमान नहीं सहेंगे, नहीं सहेंगे टाइप नारा लगाकर रतलाम वाले फूफा जी शादी से बायकाट कर जाते हैं। अब तो दोनों पार्टियां ही लड़के वाली होंगी और दोनों ही लड़की वाली होंगी। जय और वीरू की शादी में ना जय की मां भाव खा सकती, ना वीरू की मां। दोनों ही लड़के वाले हैं। दहेज की तो बात ही ना करो, कौन किसको देगा, दोनों ही लड़के वाले हैं। छेड़छाड़ के नाम पर सालियों के साथ चलने वाली बेहूदगी और बदतमीजी पर भी रोक लगेगी। घर आई बहू को मुंह दिखाई के नाम पर कुछ भेंट देना भी परंपरा का हिस्सा है। दोनों लड़कियां हैं, तो बहू का दरजा किसे दें और अगर दोनों ही लड़के हैं, तो बहू तो आई ही नहीं। सड़ी-गली परंपराओं से छुटकारा इस सूरत में मिलता था। गर्ल्स हॉस्टल की विशिष्ट सुरक्षा तो सामान्य बात है, अब लड़कों के हॉस्टल पर हमला हो सकता है। फैसले से लड़की वालों को सामाजिक तौर पर कमजोर माने जाने के मसले खत्म हो सकते हैं। महिला सशक्तीकरण ऐसे भी आना था। इस पृवी पर कोई जीव-जंतु इस तरह के सेम सेक्स कनेक्ट में नहीं जाता। सिर्फ इंसान ही सेम सेक्स मचाता है। जी! क्योंकि वह इंसान है। इंसान की बुद्धिमत्ता का अल्टीमेट टेस्ट यही है कि सेम सेक्स में मामला जमा ले। पर सारे मानव इस लेवल के इंटेलीजेंट हो गए तो सृष्टि के आगे चलने का सीन खत्म हो लेगा। परमाणु बम ना चाहिए। इंसानों को खत्म करने के लिए सेम सेक्स में मन लग जाए तो परमाणु बमों का काम खत्म। परमाणु निशस्त्रीकरण के तर्क इस तरह भी आगे बढ़ने थे।

''हिन्दू सम्मेलन'

आज से ठीक 125 वर्ष पहले 11 सितम्बर, 1893 को शिकागो (अमेरिका) में हुए धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद ने अपने ऐतिहासिक वक्तव्य के माध्यम से भारत की एक नियंतण्र सोच सामने रखते हुए हिन्दू धर्म का उदारवादी चेहरा दुनिया के सामने रखा था। वह सम्मेलन किसी धर्म विशेष का सम्मेलन नहीं था, लेकिन उस सम्मेलन में विवेकानंद के दिए गए उस वक्तव्य की याद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद ने जो आयोजन किया, वह घोषित रूप से ''हिन्दू सम्मेलन' था, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर संघ के मुखिया मोहन भागवत ने निहायत घटिया शब्दावली में अपने हिन्दुत्व के संकीर्ण दर्शन को पेश किया। यही नहीं, उन्होंने अपने उस दर्शन को विवेकानंद की विरासत से जोड़ते हुए प्रकारांतर से विवेकानंद की स्वीकार्यता को भी सीमित करने का भौंडा प्रयास किया।दरअसल, संघ के साथ समस्या यह है कि उसके पास अपना कोई ऐसा नायक नहीं है, जिसकी उसके संगठन के बाहर कोई स्वीकार्यता हो। इसीलिए उसने पिछले कुछ दशकों से भारत के महापुरुषों और राष्ट्रनायकों का ''अपहरण' कर उन्हें अपनी विचार-परंपरा का वाहक बताने का हास्यास्पद अभियान चला रखा है। महात्मा गांधी, नेताजी, शहीद भगत सिंह, डॉ. अंबेडकर, लोकमान्य तिलक, सरदार पटेल आदि कई नाम हैं, जिनका वह अपनी जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल करता रहता है। विवेकानन्द राजनेता नहीं बल्कि संन्यासी थे-समाज विज्ञानी संन्यासी। लिहाजा हिन्दू समाज की खूबियों और खामियों से भली भांति परिचित थे। इसलिए हिन्दू समाज में व्याप्त बुराइयों और जड़ता पर निर्ममता से प्रहार करते थे। अपने समय के हिन्दू कट्टरपंथियों और पाखंडी धर्माचायरे को ललकारते हुए उन्होंने ''कास्ट, कल्चर एंड सोशलिज्म' में कहा है- शूद्रों ने अपने हक मांगने के लिए जब भी मुंह खोला, उनकी जीभें काट दी गई। उनको जानवरों की तरह चाबुक से पीटा गया। लेकिन अब आप उन्हें उनके अधिकार लौटा दो वरना जब वे जागेंगे और आप (उच्च वर्ग) के द्वारा किए गए शोषण को समझेंगे, तो अपनी फूंक से आप सबको उड़ा देंगे। यही (शूद्र) वे लोग हैं, जिन्होंने आपको सभ्यता सिखाई है, और ये ही आपको नीचे भी गिरा देंगे। ' अपने इसी व्याख्यान में भारतीयों को आगाह करते हुए विवेकानंद ने कहा-''सैकड़ों वर्षो तक अपने सिर पर गहरे अंधविास का बोझ रखकर, केवल इस बात पर चंचा में अपनी ताकत लगाकर कि किस भोजन को छूना चाहिए और किसको नहीं, और युगों तक सामाजिक अत्याचारों के तले सारी इंसानियत को कुचलकर आपने क्या हासिल किया और आज आप क्या है?..देखो कि कैसे दूसरे राष्ट्र आगे बढ़ रहे हैं। 'सांप्रदायिक नफरत फैलाने के अपने कार्यक्रम के तहत संघ और उसके आनुषांगिक संगठन धर्मांतरण का भी खूब शोर मचाते हैं। विवेकानंद ने भी स्वीकारा है कि भारत में मुस्लिम शासकों के आगमन के बाद देश की आबादी के एक बड़े हिस्से ने इस्लाम कुबूल कर लिया था, लेकिन साथ ही वे कहते हैं कि यह सब तलवार के जोर से नहीं हुआ था। ' इस्लामिक शरीर से उनका तात्पर्य वर्ग और जातिविहीन समाज से था। कहा जा सकता है कि स्वामी जी आज जिंदा होते तो उनकी नसीहतें सुनकर हिन्दू कट्टरता के प्रचारक उन्हें भी सूडो सेक्युलर, शहरी नक्सली या हिन्दू विरोधी करार देकर पाकिस्तान चले जाने की सलाह दे रहे होते क्योंकि जिस तरह उनके लिए गांधी, अंबेडकर, सुभाष, सरदार पटेल को पचाना मुमकिन नहीं है, उसी तरह विवेकानंद को हजम करना भी उनके लिए मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है।

सत्संग

''मेरा पहला प्रश्न है

आदि शंकराचार्य के बारे में एक सुंदर घटना का स्मरण आता है, वे पहले शंकराचार्य थे, जिन्होंने चार मंदिरों का निर्माण करवाया था-चारों दिशाओं में बैठे चार शंकराचायरे के लिए चार गद्दियां। संभवत: पूरी दुनिया में वह उस वर्ग के दार्शनिकों में सबसे प्रसिद्ध हैं, जो यह सिद्ध करने में लगे हैं कि सब माया है। निस्संदेह वह एक महान तार्किक थे, क्योंकि वह निरंतर दूसरे दार्शनिकों को पराजित करते आए थे। उन्होंने देश भर में घूम कर बाकी सभी दर्शनशास्त्र के विद्यालयों को हरा दिया। उन्होंने अपने दर्शनशास्त्र को एकमात्र उचित दर्शन के रूप में स्थापित कर दिया। वह एकमात्र दृष्टिकोण : कि सब कुछ झूठ है, सब माया है। शंकराचार्य वाराणसी में थे। एक दिन, सुबह-सुबह-अभी अंधेरा ही था, क्योंकि हिन्दू पंडित सूरज उगने से पहले ही नहा लिया करते हैं-उन्होंने स्नान किया। और जब वो सीढ़ियों से ऊपर आ ही रहे थे कि एक आदमी ने उनको छू लिया और ऐसा गलती से नहीं हुआ था, यह उसने जानबूझ कर किया था, ''क्षमा करें मैं क्षुद्र हूं, आप को गलती से छू लिया परंतु अब आप को स्वच्छ होने के लिए दोबारा स्नान करना होगा।' शंकराचार्य क्रोधित हो गए। वे बोले, ''यह तुमसे गलती से नहीं हुआ, बल्कि जिस तरीके से तुमने ऐसा किया है; उससे साफ-साफ पता चलता है कि यह तुमने जान-बूझ कर किया था। तुम्हें नरक भोगना होगा।' वह व्यक्ति बोला, ''जब सब-कुछ माया है, तो लगता है अवश्य ही नरक सत्य होगा।' शंकराचार्य तो यह सुन कर स्तब्ध ही रह गए। वह व्यक्ति बोला, ''इससे पहले कि आप स्नान करने जाओ, आपको मेरे कुछ प्रश्नों का उत्तर देना होगा। यदि आपने मेरे उत्तर नहीं दिए तो अब जब भी आप स्नान करके आओगे मैं आपको स्पर्श कर लूंगा।' उस समय वहां एकांत था, सिवाय उन दोनों के वहां कोई नहीं था, तो शंकराचार्य ने कहा, ''तुम बड़े अजीब व्यक्ति हो। क्या हैं तुम्हारे प्रश्न?' उसने कहा, ''मेरा पहला प्रश्न है : क्या मेरा शरीर भ्रम है? क्या आपका शरीर भ्रम है? और यदि दो भ्रम शरीर एक दूसरे का स्पर्श कर लेते हैं, तो इसमें आपत्ति क्या है? क्यों आप एक और स्नान लेने के लिए जा रहे हो? जो उपदेश आप देते हो उसका पालन स्वयं ही नहीं करते। एक माया के जगत में, क्या एक अछूत और ब्राह्मण में कोई भेद हो सकता है?- पवित्र और अपवित्र में?-जब दोनों ही भ्रम हैं, जब दोनों उसी एक तत्व के बने हों जिनके सपने बने होते हैं? तब कहां का उपद्रव, कैसा उपद्रव?'

फोटोग्राफी...

सर्फरेंच प्रो ...अर्मोरिकी शहर लेमोरे के एक बीच पर डब्ल्यू एसएल सर्फरैंच प्रो इवेंट में सर्फिंग करते ब्राजीलियन सर्फर फिलपि टोलेडो। इवेंट में दुनिया के मशहूर सर्फर आते हैं।

सार समाचार

इटली: घड़े में मिले प्राचीन सोने के सिक्के, कीमत का अंदाजा नहीं

नई दिल्ली। इटली के कोमो में पुरातत्व विभाग को खुदाई के दौरान पांचवी सदी के सोने के सिक्के मिले हैं। ये सिक्के क्रेसोनी थिएटर के नीचे एक घड़े में मिलें, जिन्हें शाही रोमन युग से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि, इन सिक्कों की गिनती और मूल्य को अभी आंका नहीं जा सका, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक ये सोने के सिक्के करोड़ो रुपये की कीमत के हो सकते हैं और इन्हें संग्रहालय में रखा जाएगा। इटली के कल्चरल हेरिटेज और एक्टिविटी के मंत्री अल्बर्टो बोनिसोली ने कहा कि, अभी तक इन सिक्कों के मूल्यों, संख्या या प्राचीनता से जुड़ी कोई जानकारी नहीं जुटाई जा सकी है। लेकिन पुरातत्व विभाग के लिए यह यकीनन ये खजाना बड़ी सफलता है। इस खोज के बाद मैं गौरवांवित महसूस कर रहा हूं।

यह लड़की है सबसे 'अमीर छात्र', पिता ने पढ़ाई की मदद के लिए रखे 12 स्टाफ

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक गुमनाम भारतीय अरबपति की बेटी को सबसे 'अमीर स्टूडेंट' बताया जा रहा है। ऐसा दावा है कि उसके परिवार ने स्कॉटलैंड के एक विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान उसकी मदद के लिये 12 कर्मचारियों को नियुक्त किया है। 'द सन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बताया है कि भारतीय अरबपति की बेटी स्कॉटलैंड के पूर्वी तट पर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रयू की प्रथम वर्ष की छात्रा है। उसकी मदद के लिये एक हाउस मैनेजर (घर का प्रमुख देखभाल करने वाला), तीन सहायक, एक माली, एक घरेलू सहायिका और एक रसोइया होंगे। इनके अलावा तीन अन्य सहायक, एक निजी शेफ और शोफर (ड्राइवर) होंगे। इसके अनुसार इन सभी को परिवार के नये आलीशान बंगले पर नियुक्त किया जायेगा। यह बंगला इसलिए खरीदा गया है ताकि उनकी बेटी को स्कॉटलैंड के विश्वविद्यालय में चार साल की पढ़ाई के दौरान आम छात्रावास में नहीं रहना पड़े। कुछ महीने पहले इसके लिये एक विज्ञापन निकाला गया। विज्ञापन में यह कहा गया था कि घर में काम करने वाली घरेलू सहायिका खुशमिजाज, ऊर्जावान होनी चाहिए। भर्ती एजेंसी 'सिल्वर स्वान' ने नौकरी का यह विज्ञापन दिया था।

नवाज शरीफ की पत्नी कुलसुम का लंदन में निधन, जेल में बंद हैं पाकिस्तान के पूर्व

नई दिल्ली। एजेंसी। भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पत्नी बेगम कुलसुम का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार को लंदन में निधन हो गया। वह 68 साल की थीं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने यह जानकारी दी। कुलसुम का लंदन के हार्ले स्ट्रीट क्लीनिक में जून 2014 से ही इलाज चल रहा था और मंगलवार की सुबह उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया था। वह गले के कैंसर से पीड़ित थीं और इसकी पहचान अगस्त 2017 में हुयी। नवाज शरीफ और उनका विवाह अप्रैल 1971 में हुआ था। शरीफ के भाई शाहबाज शरीफ ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, नवाज शरीफ की पत्नी अब हमारे बीच नहीं हैं और अल्लाह उनकी आत्मा को शांति दे। गौरतलब है कि नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम जुलाई में उनसे अंतिम बार मिलकर 25 जुलाई को होने वाले संसदीय चुनावों में हिस्सा लेने के लिए स्वदेश लौट आए थे। उन दोनों को आते ही भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया था। वे इस समय जेल में हैं।

सफारी के दौरान गाड़ी में घुसा शेर

वीडियो में देखा जा सकता है कि ताइगन सफारी पार्क में कुछ पर्यटक खुले वाहन में घूम रहे हैं। जैसे ही गाड़ी उस शेर के पास आकर रुकती है। शेर खड़ा होकर गाड़ी में घुस जाता है।

डेली मेल की खबर के मुताबिक गाड़ी पार्क के मालिक ओलेग जुबकोव खुद ही चला रहे थे, जिन्हें 'लॉयन व्हिस्परर' भी कहा जाता है।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद चैनल के सीईओ ने पद छोड़ा

एजेंसी,न्यूयॉर्क। अमेरिका के सबसे बड़े टीवी चैनलों में शुमार एक निजी चैनल ने अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेस्ली मूनवेस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से उनके पद छोड़ने का ऐलान किया है। चैनल को कामयाबी के शिखर पर ले जाने वाले मूनवेस जुलाई के अंत तक हॉलीवुड में एक सम्मानित शख्सियत थे। द न्यू यॉर्कर पत्रिका में प्रकाशित दो लेखों (27 जुलाई व 9 सितंबर)में 68 वर्षीय मूनवेस के खिलाफ 12 महिलाओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। ये आरोप दशकों पहले की घटनाओं से जुड़े हैं। इसके बाद सीबीएस चैनल ने घोषणा की कि मूनवेस तत्काल प्रभाव से नेटवर्क का अध्यक्ष और सीईओ पद छोड़ रहे हैं।

पृथ्वी से अलग दूसरी दुनिया में भी रह रहे लोग! वैज्ञानिकों को मिली तरंगें

एजेंसी,केलिफोर्निया। 'ब्रेकथ्रू लिसन' मिशन के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए दूसरी दुनिया से तरंगों को प्राप्त किया है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह तरंगे जिस भी स्थान से आ रही हैं वहां जीवन संभव हो सकता है।

ब्रेकथ्रू लिसन के मुताबिक सोमवार की शाम को वैज्ञानिकों ने 72 नए फास्ट रेडियो विस्फोट (एफआरबी) का पता लगाया। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह तरंगें हमारी आकाशगंगा मिल्की वे से करीब तीन अरब प्रकाशवर्ष दूर स्थित एफआरबी-121102 आकाशगंगा से प्राप्त हुईं। इस आकाशगंगा की पहचान पिछले साल भारतवंशी डॉक्टर विशाल गज्जर ने की थी। डॉक्टर विशाल यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया, बर्कले में शोध कर रहे हैं। 'ब्रेकथ्रू लिसन' की ओर से बताया गया कि एक विस्फोट (तरंगों के रिलीज) के दौरान ज्यादातर एफआरबी की पहचान की गई। इसके विपरीत एफआरबी-121102 ही अकेली ऐसी गैलक्सी है जहां से लगातार तरंगें निकल रही हैं। 2017 में ब्रेकथ्रू लिसन की निगरानी के दौरान वेस्ट वर्जिनिया में ग्रीन बैंक टेलिस्कोप की मदद से कुल 21 बर्स्ट की पहचान हुई थी।' वैज्ञानिकों का कहना है कि नए एफआरबी का पता चलने से यह समझने में मदद मिलेगी कि ये रहस्यमय स्रोत कितने शक्तिशाली हैं।

आर्थिक गलियारे का विस्तार किया जाएगा : चीन

पेइचिंग (आईएएनएस)। चीन ने सोमवार को कहा कि वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को पाकिस्तान के पश्चिम तक विस्तार देगा। चीन पहले ही अफगानिस्तान को (पाकिस्तान के पश्चिम में) सीपीईसी में शामिल होने का आमंत्रण दे चुका है। इसके आगे पश्चिम में स्थित ईरान ने परियोजना में शामिल होने की रुचि दिखाई है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा, दोनों पक्ष सीपीईसी को आगे बढ़ाएंगे। पाकिस्तान के आर्थिक विकास और पाकिस्तानी लोगों की जरूरतों के मद्देनजर हम सीपीईसी के लिए रास्तों व सहयोग की पहचान करेंगे। उन्होंने कहा, हम औद्योगिक सहयोग व लोगों की जीविका से जुड़ी परियोजनाओं में तेजी लाएंगे और सीपीईसी को पश्चिमी इलाके तक विस्तार देंगे और ज्यादा से ज्यादा लोगों को इससे फायदा पहुंचाएंगे। सीपीईसी में चीन के काशगर व पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को जोड़ने की परिकल्पना है।

कुछ लोग हिंदू शब्द को 'अछूत' बनाने का प्रयास कर रहे : वेंकैया नायडू

एजेंसी,शिकागो। हिंदू धर्म के सच्चे मूल्यों की रक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि कुछ लोग हिंदू शब्द को 'अछूत' तथा 'असहनीय' बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यहां दूसरे विश्व हिंदू कांग्रेस (डब्ल्यूएचसी) के समापन सत्र को संबोधित करते हुए वेंकैया ने कहा, स्वामी विवेकानंद जैसे संतों की दिखाई राह पर चलकर हिंदू धर्म के सच्चे मूल्यों की रक्षा करने की जरूरत है। ताकि अल्पज्ञान के कारण बनी राय बदली जा सके।

तीन दिवसीय डब्ल्यूएचसी का समापन समारोह उसी दिन हुआ, जब 125 वर्ष पहले शिकागो में वर्ष 1893 में स्वामी विवेकानंद ने ऐतिहासिक भाषण दिया था। इसमें करीब 60 देशों से 250 वक्ता और 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वेंकैया ने कहा, भारत वैश्विक सहिष्णुता में विश्वास रखता है और सभी धर्मों को स्वीकार करता है। हिंदू धर्म प्रकृति के साथ तालमेल में रहना सिखाता है। साझा करना और देखभाल करना इसके मूल में है। महिलाओं का सशक्तीकरण और सम्मान इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा, लेकिन

आजकल बहुत दुष्प्रचार किया जा रहा है। कुछ लोग हिंदू शब्द को 'अछूत' तथा 'असहनीय' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए उन मूल्यों को साफ-साफ देखने की जरूरत है जो इन विचारों को सही रूप में प्रस्तुत कर सकें और विश्व के समक्ष इन्हें पूरे प्रामाणिक रूप में ला सकें।

उपराष्ट्रपति ने माना कि समाज में कुछ खामियां आई हैं जिनसे समाज सुधारकों को निबटने की जरूरत है। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद हिंदू संस्कृति का मूर्त रूप थे। उन्होंने 11 सितंबर 1893 को अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि हमारे देश ने पूरी दुनिया को सहिष्णुता और वैश्विक स्वीकार्यता का पाठ सिखाया है।

अभूतपूर्व बदलाव से गुजर रही दुनिया में हमें भरोसेमंद नेतृत्व तथा धार्मिक दिशासूचक की आवश्यकता है। भारत दुनिया को यह दे सकता है। उन्होंने प्रतिनिधियों से कहा कि वह अपनी मातृभाषा और संस्कृति की रक्षा करें। अगली विश्व हिंदू कांग्रेस नवंबर 2022 में बैंकॉक में होगी। इस बीच, इलिनोइस के गवर्नर ने 11 सितंबर 2018 को स्वामी विवेकानंद दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है।

विश्व हिन्दू कांग्रेस ने विभिन्न देशों में हिन्दू अधिकारों पर बल देने के लिए एक स्थायी सचिवालय की स्थापना का प्रस्ताव रखा

हिन्दू सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला नजर आना चाहिए

शिकागो, एजेंसी। विश्व हिन्दू कांग्रेस ने कहा है कि विश्व में हिन्दुओं को सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले के तौर पर ज्यादा नजर आना चाहिए और उसने दुनियाभर में विभिन्न देशों में हिन्दू अधिकारों पर बल देने के लिए एक स्थायी सचिवालय की स्थापना का प्रस्ताव भी रखा।

शिकागो में 1893 में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण की 125वीं वर्षगांठ पर यहां द्वितीय विश्व हिन्दू कांग्रेस का आयोजन किया गया। साठ से अधिक देशों से 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों और 250 से अधिक वक्ताओं ने यहां इस तीन दिवसीय विश्व हिन्दू कांग्रेस में हिस्सा लिया। विश्व हिन्दू कांग्रेस के संयोजक अभय अस्थाना ने कहा कि इस कार्य को पूरा करने के लिए प्रख्यात व्यक्तियों की सेवा ली जाएगी और अमेरिका या ब्रिटेन में स्थायी सचिवालय स्थापित करने का सुझाव सामने आया। अस्थाना ने कहा, इस कांग्रेस में एक मुख्य सर्वसम्मत विचार सामने आया कि दुनिया में जहां-जहां हिन्दू हैं, यानी आज की तारीख में जिस किसी देश को वे अपना घर मानते हों, उन्हें सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले के तौर पर ज्यादा नजर आना चाहिए।

इस कांग्रेस के राजनीतिक सत्र में खासकर कैरीबयाई, फिजी और अफ्रीकी देशों में अपनी दृढ़ राजनीतिक आवाज को मजबूती से सामने रखने और युवा नेताओं के विकास के महत्व पर बल दिया गया। देशवार सभी राजनीतिक नेताओं का गतिशील डिजिटल डाटाबेस

शिकागो में 1893 में विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण की 125वीं वर्षगांठ पर यहां द्वितीय विश्व हिन्दू कांग्रेस का आयोजन किया गया। देशों से 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों और 250 से अधिक वक्ताओं ने यहां इस तीन दिवसीय विश्व हिन्दू कांग्रेस में हिस्सा लिया।

तैयार किया जाए। इस कांग्रेस में राजनीति के अलावा युवा, मीडिया, अर्थव्यवस्था, महिला, शिक्षा और हिन्दू संगठन जैसे विषयों पर अन्य पांच सत्र थे। कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि दुनियाभर में हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध जागरुकता पैदा करने के लिए हिन्दू युवाओं को सोशल मीडिया कौशल का इस्तेमाल करना चाहिए, उन्हें हिन्दुओं के भेदभावपूर्ण निरुपण के विरुद्ध आवाज मुखर करनी चाहिए।

मोहनदास पाई, सोनल मानसिंह और नगास्वामी ने हिन्दू समाज पर तीसरे पूर्ण सत्र ''हिन्दू समाज- अतीत का गौरव, वर्तन का दर्द और भविष्य के सपने' विषय पर मंच साझा किया। प्रोफेसर सुभाष काक ने इस सत्र का संचालन किया।

प्रोफेसर काक ने कहा कि हमारे पास गर्व करने के लिए कई चीजें हैं। आज की कई खोजों एवं वैज्ञानिक सिद्धांतों के बारे में पहले ही प्राचीन साहित्यिक कृतियों में उल्लेख किया जा चुका है। कंप्यूटर विज्ञान का असली जनक पाणिनी को माना जाना चाहिए जिन्होंने संस्कृत भाषा के लिए 4,000 नियम बनाए।

जेल में बंद नवाज शरीफ की 8 भैंसों की नीलामी करेगी इमरान सरकार

एजेंसी,इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने प्रधानमंत्री आवास में भोजन संबंधी जरूरतों के लिए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा रखी गईं आठ भैंसों की नीलामी करने की योजना बनाई है। प्रधानमंत्री इमरान खान के एक करीबी सहयोगी ने यह जानकारी दी। दरअसल, खराब अर्थव्यवस्था से जूझ रही खान नीत पाक सरकार ने फिजूलखर्ची से बचने का अभियान चला रखा है। इसके तहत 80 से अधिक आलीशान कारों की नीलामी की जाएगी। राजनीतिक मामलों के विशेष सहायक नईम उल हक ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री आवास में मौजूद आलीशान कारों की नीलामी करेगी। वह कैबिनेट डिवीजन में बिना इस्तेमाल वाले चार अतिरिक्त हेलीकॉप्टरों को भी बेचेगी। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को ट्वीट करके कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा पीएम आवास में रखी गईं आठ भैंसों की नीलामी भी की जाएगी और उन्होंने संभावित खरीददारों से इसके लिए तैयार रहने को कहा।

My Love... मुझसे शादी करोगी!

कैसकेमोरास फेस्टिवल इन स्पेन...

स्पेन के दक्षिणी शहर गुआडिक्स में एनुअल कैसकेमोरास फेस्टिवल में जोस हेरास ने गर्लफ्रेंड इरीन को शादी के लिए प्रपोज किया। इस फेस्टिवल में लोग हर साल पेंट लगाकर पहुंचते हैं और शहर भर में घूमते हैं।

ट्रैक्टर और टैम्पो में भिड़ंत, दो की मौत

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर कीम चौकड़ी के पास हादसा,हादसे में सात जने घायल

बारडोली. मांगरोल तहसील के कीम चौकड़ी के निकट वालेसा पाटिया के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर ट्रैक्टर और टे पों के बीच हुई भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात जने घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कीम-कोसंबा के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग सं या-48 पर वालेसा पटिया के पास ईंट के भट्ठे से ईंट भरकर कुछ मजदूर ट्रैक्टर में सवार हो कर सूरत की ओर जा रहे थे। वालेसा गांव के पास चालक ने सडक किनारे ट्रैक्टर खड़ा किया, जहां कई ट्रैक्टर से मजदूर नीचे उतर रहे थे। इसी दौरान अहमदाबाद से सूरत की ओर आ रहे तेज र तार टैम्पो खड़ा ट्रैक्टर से जा टकराया। घटना के बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे में टम्पो चालक भिखा लवजी डांपा (34) का टै पो की केबिन में फंस जाने से मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर से नीचे उतर रहे एक मजदूर महेश ईश्वर ओड़ (20) की भी मौके पर मौत हो गई। जबकि अन्य मजदूर जनकबेन उदेसिंह ओड़ (16), रमेश जयराम ओड़ (40), इन्दू रमेश ओड़ (17), सीता ईश्वर ओड़ (16) रंजन गणपत ओड़ (27) और टीनू रमेश ओड़ (38) घायल हो गए। सभी घायल कोसंबा के नानी नरोली के निवासी है। घटना के बाद सभी घायलों को सूरत के स्मिमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ते दामों के चलते ट्रान्सपोर्ट किराया बढा

सूरत। डीजल के बढते दाम से ट्रान्सपोर्टरों ने किराया बढाना भी शुरु कर दिया है। ट्रक किराया बढने के कारण अब महंगाई बेकाबू होने के साथ उद्योगों पर भी प्रभाव पडने लगा है। ट्रान्सपोर्टरों ने गुजरात में 10 प्रतिशत तक किराये में वृद्धि डीजल के बढते दाम को लेकर की है।

डीजल के दाम में सूरत में पांच प्रतिशत की वृद्धि एक माह में हो जाने से प्रति लीटल डीजल 78.31 रुपये में मिल रहा है। महंगा डीजल परिवहन को महंगा बनायेगा। जिससे उसका प्रभाव अन्य वस्तुओ पर भी पड़ेगा। पहले तो शाकभाजी और जरुरी चीजे महंगी होंगी। धीरे-धीरे दाम वृद्धि अन्य वस्तुओं में भी होगी। सूरत में शाकभाजी की दाम फिलहाल मामूली बढ़ा है।

मुड्स ट्रान्सपोर्ट एसोसियेशन के हमुभाई भगद का कहना है कि ट्रान्सपोर्ट फूल लोड माल वहन के ऑर्डर में 10 प्रतिशत की वृद्धि पिछले एक सप्ताह से की गई है। हालांकि अभी क्वार्टर लोड या फुटकर किराये में वृद्धि का प्रभाव नहीं पड़ा है। स्पर्धा के कारण कमजोर, ट्राफिक, ट्रान्सपोर्ट उद्योग में मंदी और मांग भी सामय होने से ट्रान्सपोर्ट भार वहन कर रहे है। हालांकि अब 10 प्रतिशत तक की वृद्धि किये बिन कोई दूसरा उपाय नहीं है। आगामी दिनों में गणेशोत्सव, नवरात्रि व दिवाली जैसे बड़े त्यौहार आ रहे है ऐसे में ट्राफिक बढना है। जिससे देखते हुए किराये में वृद्धि खप जायेगी। ऐसे में उद्योगों पर थोड़ा प्रभाव पड़ रहा है। उद्योगों में लाया जाने वाला कच्चा माल 5 से 7 प्रतिशत महंगा होने लगा है। हालांकि उसका बोझ फिलहाल उद्योग उठा रहे हैं क्योंकि मंदी के कारण ग्राहकों पर लादना कठिन है। जिसके कारण मुनाफे के मार्जिन में कमी आने की जानकारी एक उद्यमी ने दी।

डेंगू के आठ मरीज मिले, हरकत में स्वास्थ्य विभाग

विजलपोर की जयशक्ति सोसायटी का मामलामौसमी बीमारियों ने पसारे पैर

नवसारी. विजलपोर की जयशक्ति सोसायटी में डेंगू के आठ मरीज मिलने की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और नगर पालिका प्रशासन हरकत में आ गया है। इसके तहत जमा पानी का निकास कर डीडीटी पाउडर का भी छिडकाव करवाया गया। जानकारी के अनुसार जयशक्ति सोसायटी में एक सप्ताह के दौरान ही आठ लोगों को डेंगू हुआ है। इसमें बच्चे भी शामिल हैं। जिन्हें अस्पताल मे भर्ती करवाना पड़ा था। इसमें से दो अभी भी अस्पताल में हैं।

नगरपालिका ने डीडीटी का छिडकाव कराया

इस बात की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और नगरपालिका में हडकंप मच गया है। आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग की टीम और नपा के कर्मचारी पहुंचे और सोसायटी तथा आसपास फैली गंदगी को दूर किया। इस दौरान जमा पानी को हटाया गया। डीडीटी और ऑयल का छिडकाव किया गया। मच्छरों को काबू करने के लिए फॉगिंग मशीन से धुआं भी छोड़ा गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम की जांच में कई जगहों पर डेंगू मच्छरों की ब्रीडिंग भी मिली।

सोसायटी में सर्वे शुरू कराया

मख्य स्वास्थ्य अधिकारी दिलीप भावसार ने कहा कि सोसायटी में सर्वे शुरू किया गया है । विभाग के संज्ञान में चार डेंगू मरीज मिले हैं। निजी अस्पतालों में भी जांच करवा रहे हैं।

पसरी गंदगी, अभी तक साफ नही

जानकारी के अनुसार मानसून के बाद कई इलाकों में गंदगी फैली है। नपा द्वारा इसे साफ करने का कोई प्रयास नहीं किया गया था। स्थानीय लोगों ने भी स्वच्छता के प्रति लापरवाही दिखाई। इससे जहां तहां सोसायटी व आसपास पानी जमा है। इसके कारण मौसमी बीमारियों ने पैर पसारना शुरू कर दिया है।

महानगर पालिका के सफाई कर्मचारी ने जहरीली दवा पीकर की आत्महत्या

सूरत। अडाजण में रहने वाले महानगर पालिका में एक सफाई कर्मचारी ने दो दिन पहले रांदेर के पाकिस्तान महुल्ला समीप जहरीली दवा पी ली थी और उसके बाद घर गया। जहां उसे उल्टी शुरु होने पर परिजन उसे तत्काल ईलाज हेतु स्मीमेर हॉस्पिटल ले गये। जहां इलाज के दौरान गत रोज उसकी मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अडाजण पाटिया स्थित एसएमसी क्वार्टर में रहने वाले प्रविण उत्तम बोरसे (28) ने गत 9 सितम्बर को शाम के समय रांदेर स्थित पाकिस्तान मुहल्ला मे स्थित मैदान में जहरीली दवा पी ली थी और उसके बाद वह घर गया। जहां उल्टी शुरु हो जाने पर उसे उसके परिजन ईलाज हेतु स्मीमेर हॉस्पिटल ले गए। जहां ईलाज के दौरान गत रोज देर रात उसकी मौत हो गई। अतिरिक्त में परिजनों ने कहा कि प्रविण बोरसे पालिका के रांदेर जोन रामनगर वॉर्ड ऑफिस में सफाई कर्मचारी के तौर पर कार्यरत था। पांच माह पहले ही उसका विवाह हुआ था। रामनगर में वह शराब पीने गया था और वहीं शराब के नशे मे जहरीली दवा पी ली। उसने किस कारण जहरीली दवा पी इस संदर्भ में पता नहीं चल पाया है। रांदेर पुलिस ने घटना के संदर्भ में शिकायत दर्ज कर आगे की जांच शुरु की है।

स्मीमेर की रेजिडेन्ट ने खाई नींद की गोलियां

सूरत. महानगर पालिका संचालित स्मीमेर मेडिकल कॉलेज की एक महिला रेजिडेंट ने अधिक सं या में नींद की गोलियां निगल लीं। स्मीमेर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे महावीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्मीमेर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद के शाहपुरा क्षेत्र निवासी रिदम भरत वर्मा (23) स्मीमेर मेडिकल कॉलेज के इएनटी विभाग में प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह रविवार सुबह नींद की गोलियां खाकर सो गई। जगाने के प्रयास के बाद भी जब वह नहीं उठी तो उसकी रूम पार्टनर ने स्मीमेर कॉलेज तथा अस्पताल प्रशासन को जानकारी दी। इमरजेंसी विभाग में प्राथमिक उपचार के बाद उसे महावीर अस्पताल रैफर कर दिया गया। उसे आइसीयू वार्ड में भर्ती किया गया है।

चिकित्सकों ने उसकी हालत स्थिर बताई है। वराछा पुलिस ने उसका बयान दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया की रिदम ने आत्महत्या की बात से इनकार किया है।

दोहरीकरण कार्य से 1 अक्टूबर तक ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

सूरत। उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर-मारवाड रेलखंड पर मांगलियावास एवं बांगडग्राम के बीच दोहरीकरण कार्य हेतु ब्लॉक लिए जाने के कारण इस खंड पर चलनेवाली ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। जिसमें 20 सितंबर से 30 सितंब तक अहमदाबाद से चलनेवाली ट्रेन संख्या 19411 अहमदाबाद-अजमेर इंटरसिटी और 21 सितंबर से 1 अक्टूबर तक अजमेर से चलनेवाली ट्रेन संख्या 19412 अजमेर-अहमदाबाद इंटरसिटी निरस्त रहेगी। जबकि 14 से 29 सितंबर तक ट्रेन संख्या 54805 अहमदाबाद-जयपुर पैसेंजर, मारवाड एवं जयपुर के बीच निरस्त रहेगी। इसी प्रकार 15 से 30 सितंबर तक 54806 जयपुर-अहमदाबाद पैसेंजर, जयपुर एवं मारवाड के बीच निरस्त रहेगी। इसके अलावा 18, 22, 25 व 29 सितंबर की ट्रेन संख्या पोरबंदर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस वाया मारवाड, जोधपुर फुलेरा होकर चलेगी। इसी प्रकार 20, 24, 27 व 01 अक्टूर की ट्रेन संख्या 19264 दिल्ली सराय रोहिल्ला-पोरबंदर एक्सप्रेस वाया फुलेरा, जोधपुर, मारवाड होकर, 20, 21, 27, 28 सितंबर की ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस वाया मारवाड, जोधपुर, फुलेरा, 23, 24, 30 सितंबर 1 1 अक्टूबर की ट्रेन संख्या 19270 मुजफ्फरपुर-पोरबंदर एक्सप्रेस वाया फुलेरा, जोधपुर, मारवाड, 12, 19 व 26 सितंबर की ट्रेन संख्या 19413 अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस वाया आणंद-गोधरा-रतलाम होकर और 15, 22 व 29 सितंबर की 19414 कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस वाया रतलाम-गोधरा-आणंद होकर चलेगी। इसके अतिरिक्त 14 सितंबर की ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस (15 सितंबर को) 40 मिनट और 15 सितंबर की ट्रेन संख्या 19263 पोरबंदर-दिल्ली एक्सप्रेस 16 सितंबर 1 घंटा मार्ग में लेट रहेगी।

हरीश रावत ने हार्दिक से की मुलाकात

अहमदाबाद। पास के कन्वीनर हार्दिक पटेल के अनिश्चितकालीन अनशन का मंगलवार को १८वां दिन था तब उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने हार्दिक से मुलाकात की और इनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की । इस अवसर पर हरीश रावत ने बताया है कि, प्रजातंत्र की सुरक्षा के लिए हार्दिक का जीवन जरूरी है । हार्दिक पटेल की मांग राज्य सरकार और केन्द्र सरकार को मालूम है । गांधीवाद और स्वतंत्रता के मूल्यों के लिए जो लड़ रहे है इसके लिए हार्दिक की आवश्यकता है । पाटीदार जन आंदोलन को कुचलने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है । हार्दिक का जीवन देश के लिए महत्व का है ।

चालीस हजार तनख्वाह वाले के खाते में करोड़ों का ट्रांजेक्शन

सूरत. एक डायमंड फर्म में चालीस हजार रुपए मासिक वेतन की नौकरी करने वाले कर्मचारी के बैंक खाते में पिछले बारह साल के दौरान करीब दस करोड़ रुपए के ट्रांजेक्शन का मामला सामने आया है। आयकर विभाग से 75 लाख रुपए की पेनल्टी का नोटिस मिलने पर उसने उसके नाम से फर्जी बैंक खाते खुलवा कर बिल्डरों और अन्य फर्मों के साथ करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन करने वाले लोगों के खिलाफ अठवा थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

पुलिस के मुताबिक अमरोली वासू पूज्य, बी.के.. हो स निवासी विपुल बलदेव पटेल (37) के साथ चेतन शाह और चार अन्य इ-मेल आइडी धारकों ने जालसाजी की। मार्च 2006 में उन्होंने कतारगाम की एक डायमंड फर्म में काम करने वाले विपुल का पैन कार्ड (एपीडब्ल्यूपीपी8410जे) की फोटो प्रति और उसकी फोटो हासिल की। उसके नाम से भागा तलाव कणपीठ की बैंक ऑफ इंडिया शाखा में दो फर्जी खाते खुलवाए गए। इन खातों में रुपए का ट्रांजेक्शन शुरू कर दिया गया। उन्होंने विपुल को बताए बिना उसका आयकर रिटर्न भी फाइल करना शुरू कर दिया। 2018 तक उन्होंने विपुल के खातों से बिल्डरों और अन्य फर्मों को करीब 10 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन किया।

ऐसे हुआ खुलासा

विपुल का टीडीएस उसकी कंपनी द्वारा काटा जाता था। पिछले दो-तीन साल में काटे गए टैक्स का रिटर्न हासिल करने के लिए उसने होम लोन, बीमा तथा अन्य निवेश की रसीदों के साथ एक सीए से संपर्क किया। रिटर्न फाइल करने के दौरान सीए ने बताया कि उसका रिटर्न तो फाइल हो चुका है। विपुल ने पड़ताल की तो पता चला कि उसके खातों से करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है और आयकर विभाग ने 75 लाख रुपए का पेनल्टी नोटिस भी उसके नाम जारी कर रखा है। इस पर उसने पुलिस से संपर्क साधा।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

बंद के दौरान कानून तोड़नेवालों के खिलाफ केस दर्ज होगा

सूरत। भारत बंद के दौरान गुजरात में कानून हाथ लेनेवालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। गृह विभाग के मुताबिक गुजरात में तोड़फोड़, आगजनी और हिंसा करनेवाले शख्सों के खिलाफ हत्या की कोशिश तक की दफाओं के तहत मुकद्दमे दर्ज किए जाएंगे। गौरतलब है भारत बंद के दौरान गुजरात में कई स्थानों पर पथराव, सार्वजनिक संपत्ति में तोड़फोड़ और टायर जलाने जैसी घटनाएं सामने आई हैं तोड़फोड़, आगजनी और हिंसा करनेवाले शख्सों के खिलाफ हत्या की कोशिश तक की दफाओं के तहत मुकद्दमे दर्ज किए जाएंगे। ऐसी घटनाओं को अंजाम देनेवाले लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे।

15 अक्टूबर तक मतदाता सूची में सुधार

सूरत। प्रशासन ने 2019 लोकसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची में सुधार अभियान शुरू किया है। 1 जनवरी 2019 को जिन लोगों की उम्र 18 साल पूरी हो जाएगी वे अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। ऑनलाइन सुविधा भी है। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1950 भी जारी किया गया है। इसके अलावा एसएमएस की भी व्यवस्था की गई है। कलेक्टर डॉ. धवल पटेल ने बताया कि अगर किसी के पास वोटर आईडी है, लेकिन मतदाता सूची में नाम नहीं है तो वह मतदान नहीं कर पाएगा। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना जरूरी है। मतदाता सूची में अपना नाम ऑनलाइन देख सकते हैं। नाम दर्ज करवाने के लिए फॉर्म 6 भरना होगा। कलेक्टर के अनुसार विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों को फार्म नंबर 6(ए) भरना होगा। नाम निकलवाने के लिए फॉर्म 7 भरना होगा। मतदाता सूची में जानकारी सुधरवाने के लिए फॉर्म 8 भरना होगा। एक ही मतदाता सूची में नाम सुधार ने के लिए फार्म 8 (क) भरना होगा। कलेक्टर धवल पटेल ने बताया कि नई सोसाइटी या अपार्टमेंट की जानकारी अधिकारियों के पास नहीं होगी। वैसे डोर टू डोर काम तो किया जाएगा, लेकिन इनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना चाहिए। सूरत जिले के मतदाताओं की संख्या 41 लाख 2 हजार 203 हो चुकी है। इनमें 18,78,934 महिलाएं और 22,23,184 पुरुष मतदाता हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com